हरिभूमि
विंध्य भूमि
सतना | छतरपुर | रीवा | सिंगरौली | पन्ना
जबलपुर, बुधवार 3 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मैहर के मछली फार्म में गार्ड की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

मैहर। मैहर जिले की ग्राम पंचायत धतूरा स्थित एक मछली फार्म में कार्यरत कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय शिवाबलक कोल पिता रामकरण कोल इस मछली फार्म में संविदा कर्मचारी के रूप में गार्ड के पद पर तैनात थे। परिजनों ने बताया कि शिवाबलक सोमवार शाम करीब 7 बजे रोज की तरह अपनी ड्यूटी के लिए मछली फार्म पहुंचे थे। इसके बाद रात के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह जब आसपास के लोगों ने शव देखा,तो तुरंत इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के चाचा रामप्रताप कोल के मुताबिक,सुबह जब वे लोग पहुंचे तो शिवाबलक का शव तालाब से कुछ दूरी पर पूरी तरह पानी से भीगा हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल मैहर भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

वायु प्रदूषण पर मैहर कलेक्टर सख्त,उद्योगों की जांच के लिए बनाई टास्क फोर्स

मैहर। मैहर जिले में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण और एयर क्वालिटी इंडेक्स में गिरावट को देखते हुए कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने उद्योगों से निकलने वाली धूल और धुएं पर नियंत्रण पाने के लिए एक विशेष जांच दल (टास्क फोर्स) का गठन किया है,जो औद्योगिक इकाइयों का भौतिक सत्यापन करेगी। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर की परिधि में आने वाले सभी खनिज आधारित उद्योगों,क्रेशर संयंत्रों और अन्य संबंधित औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जांच के आदेश दिए हैं।इस जांच दल का नेतृत्व अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मैहर करेंगे। दल में क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण मंडल सतना/ मैहर, तहसीलदार मैहर और सहायक खनि अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने टास्क फोर्स को निर्देशित किया है कि वे सभी उद्योगों में डस्ट सेपरेशन सिस्टम,बैग फिल्टर, स्प्रिंकलर, बाउंड्रीवॉल,ग्रीन बेल्ट और वृक्षरोपण जैसे प्रदूषण नियंत्रण मानकों की वैधानिकता की जांच करें। इस टीम को सभी इकाइयों का निरीक्षण कर चार दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपनी होगी।नियमों का उल्लंघन करने वाली और लापरवाही बरतने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएंगे।

सीवेज लाइन के गड्ढों से बेहाल हुआ बाजार; महापौर ने अपनी ही सरकार के कमिश्नर को घेरा, कहा-ढीलापन बर्दाश्त नहीं

टूटी सड़कों पर 'महासंग्राम': हनुमान चौक पर धरने पर बैठे व्यापारी महापौर बोले-'चेंबर चुनाव के लिए हो रही फोटो खिंचवाने की राजनीति'

सतना। शहर के मुख्य व्यावसायिक केंद्र हनुमान चौक और आस-पास के बाजारों में टूटी सड़कों और धूल के गुबार से परेशान व्यापारियों का सब्र सोमवार को आखिरकार टूट गया। सीवेज लाइन डालने के लिए खोदे गए गड्ढों का समय पर रेस्टोरेशन (सुधार कार्य) न होने से नाराज व्यापारी सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। व्यापारियों का कहना है कि टूटी सड़कों के कारण राहगीरों का पैदल चलना और वाहन चलाना दूभर हो गया है,जिससे व्यापार पूरी तरह ठप होने की कगार पर है।

'यह सिर्फ फोटो खिंचवाने की राजनीति'

व्यापारियों के इस औचक धरने पर महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए इस धरने को आगामी 'चेंबर ऑफ कॉमर्स' के चुनाव से जोड़ दिया। महापौर ने कहा काम का टेंडर हो चुका है,वर्क ऑर्डर जारी हो गया है और तीन दिन बाद काम शुरू होना ही था।जब काम प्रक्रिया में है,तो धरने पर बैठना सिर्फ चेंबर चुनाव को लेकर की जा रही राजनीति है। व्यापारी सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए धरने पर बैठे हैं।

अपनी ही प्रशासनिक व्यवस्था पर बिफरे महापौर

दिलचस्प बात यह रही कि महापौर ने केवल व्यापारियों पर ही निशाना नहीं साधा,बल्कि निगम

कमिश्नर को भी आड़े हाथों लिया।उन्होंने कमिश्नर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कमिश्नर साहब का व्यवहार और उनका ढीलापन बिल्कुल ठीक नहीं है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा,मैं भी मूल रूप से एक व्यापारी हूं,अगर जरूरत पड़ी तो अपनी ही व्यवस्था के खिलाफ मैं खुद धरने पर बैठ जाऊंगा।

शादी का सीजन और बारिश की आहट,जनता में भारी आक्रोश

एक तरफ जहां जनप्रतिनिधि और प्रशासन आपस में उलझे हैं,वहीं आम जनता और व्यापारी वर्ग आने वाले समय को लेकर बेहद चिंतित है। गौर करने वाली बात यह है कि चुनाव के समय जनता को विश्व स्तरीय सुविधाएं देने का वादा करने वाले नेता आज बैकफुट पर नजर आ रहे हैं।

बाजार के सामने दोहरी चुनौती

मानसून सिर पर है,अगर इन गड्ढों और उखड़ी सड़कों को तुरंत ठीक नहीं किया गया,तो पूरा बाजार तालाब में तब्दील हो जाएगा।आगामी दिनों में शादी-ब्याह का सीजन शुरू होगा। व्यापारियों को डर है कि अगर सड़कों के यही हालात रहे,तो ग्राहक बाजार का रुख करना बंद कर देंगे,जिससे उन्हें करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ेगा।फिलहाल,इस धरने और महापौर के तीखे बयानों ने शहर की सियासत और निगम की प्रशासनिक सुस्ती को चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है।

'ट्रैफिक का तांडव': कहीं सरकारी टैंकर की मनमानी कहीं ओवर ब्रिज पर काल बनकर दौड़ी क्रेन!

रीवा रोड पर रॉन्ग साइड घुसे निगम के टैंकर ने शहर को किया जाम, तो ओवर ब्रिज पर अनियंत्रित, क्रेन ने ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ाए; कई जख्मी

सतना। शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था अब आम जनता की जान पर भारी पड़ने लगी है। मंगलवार को शहर के दो प्रमुख हिस्सों-रीवा रोड और ओवरब्रिज-पर लापरवाही का ऐसा नंगा नाच देखने को मिला,जिसने पूरे शहर की रफ्तार को थाम दिया। कहीं सरकारी रसूख के आगे नियम बौने साबित हुए,तो कहीं भारी वाहन काल बनकर दौड़े। इन दोनों घटनाओं ने साबित कर दिया है कि सतना की सड़कों पर अब सिर्फ भगवान भरोसे ही सफर किया जा सकता है। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने का दम भरने वाला प्रशासन खुद नियमों की धज्जियां उड़ाने में सबसे आगे है। मंगलवार दोपहर रीवा रोड पर उस वक्त अराजकता की स्थिति बन गई,जब नगर निगम का एक पानी का टैंकर सरेआम 'रॉन्ग साइड' (गलत दिशा) से वीआईपी अंदाज में घुस गया।इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत की वजह से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और भीषण जाम लगा रहा। उधर रीवा रोड का जाम खुला भी नहीं था कि शाम को ओवरब्रिज पर एक क्रेन ने भारी तबाही मचा दी।ओवरब्रिज पर सवारियां उतार और चढ़ा रहे एक खड़े ई-रिक्शा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित क्रेन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मासूम राहगीर लहूलुहान होकर सड़क पर तड़पने लगे। हादसे के बाद ओवरब्रिज पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया,जहां कई लोग जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर, दो गंभीर

मझगवां में आरटीओ बैरियर के पास की घटना, मौके पर पहुंची पुलिस

सतना। मझगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरटीओ बैरियर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक अनियंत्रित बस ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मचने पर स्थानीय लोगों और सूत्रों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर तत्काल पहुंची मझगवां पुलिस और डायल 112 की टीम ने मोर्चा संभाला और दोनों गंभीर

घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। दोनों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

युवक की धारदार हथियार से हत्या, अस्पताल में दम तोड़ा

सतना। रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। तिउनी निवासी राजबहोर कोरी सोमवार रात तुर्की रेलवे स्टेशन के पास एक सुनसान दुकान में घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया,जहां मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक के पिता संतोष कोरी ने बताया कि सोमवार दोपहर राजबहोर अपने परिवार के साथ आधार कार्ड बनवाने घर से निकले थे। कुछ कागजात कम होने के कारण वह परिवार को एक मंदिर के पास बैठाकर घर लौट रहे थे,लेकिन घर नहीं पहुंचे। देर शाम जब परिवार अकेला घर लौटा,तो परिजनों को राजबहोर की चिंता हुई और उन्होंने तलाश शुरू की।

तलाश के दौरान राजबहोर तुर्की रेलवे स्टेशन के समीप सुनसान दुकानों में से एक दुकान के अंदर घायल अवस्था में मिले। पिता संतोष कोरी के अनुसार,उनके बेटे के सिर में गंभीर चोट के निशान थे।उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके बेटे की धारदार हथियार से हत्या की गई है और वे वारदात की निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों की गिरफ्तारी की माँग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही

एसडीओपी,टीआई रामपुर बघेलान और एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने दुकान के अंदर खून के निशान पाए हैं। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच कर रही है। टीआई संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम रीवा में तीन डॉक्टरों की टीम द्वारा कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के बाद परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

जनसुनवाई: सतना और मैहर कलेक्ट्रेट में उमड़े फरियादी,बुनियादी सुविधाओं और भूमि विवाद की आईं 269 शिकायतें

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने सुनीं जनसमस्याएं

सतना। शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सतना और मैहर जिला मुख्यालयों पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान दोनों जिलों से कुल 269 आवेदक अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर्स ने आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर न्यायसंगत निराकरण करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

सतना में 151 आवेदकों की सुनी गई समस्याएं,अफसरों को अल्टीमेटम

सतना कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न अंचलों से आए 151 आवेदकों से सीधे संवाद किया।

इन समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगः

जनसुनवाई में मुख्य रूप से भूमि विवाद,राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी,सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें आईं। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह,एसडीएम एल.आर.जांगडे और डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते ने भी मौजूद रहकर आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण की रूपरेखा तैयार की।

मैहर में बुनियादी सुविधाओं से परेशान लोग पहुंचे कलेक्ट्रेट, मिले 118 आवेदन

नवगठित मैहर जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कुल 118आवेदन प्राप्त हुए। यहाँ बुनियादी सुविधाओं को लेकर आमजन में खासा संकट देखा गया। पानी-बिजली का संकट हावी मैहर जिले की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से परेशान होकर अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने एक-एक कर सभी 118 आवेदनों पर सुनवाई की। उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम मैहर श्रीमती दिव्या पटेल और अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए ताकि जनता को परेशान न होना पड़े।

डिजिटल अरेस्ट' की बड़ी वारदात: सीबीआई और दिल्ली पुलिस बन बुजुर्ग को बंधक बनाया, 22 लाख ठगे

14 दिनों तक रखा मानसिक दबाव में,तीन नामजद आरोपियों पर एफआईआर

मैहर। डिजिटल क्रांति के इस दौर में साइबर अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं,इसका एक खौफनाक उदाहरण मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र में सामने आया है। शातिर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस और सीबीआई का आला अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग को कई दिनों तक घर में ही 'डिजिटल अरेस्ट' (मानसिक रूप से बंधक) रखा। गिरफ्तारी का खौफ दिखाकर जालसाजों ने बुजुर्ग के जीवनभर की गाढ़ी कमाई से 22 लाख रुपये की बड़ी ठगी को अंजाम दे दिया।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दिल्ली के तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार,ग्राम इटमा कोठार निवासी 69 वर्षीय मानेन्द्र सिंह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से टाइम कीपर के पद से सेवानिवृत्त हैं। बीते 5 मई की शाम उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाली महिला ने खुद को दिल्ली टेलीकॉम विभाग की अधिकारी 'अदिति शर्मा' बताया। उसने बुजुर्ग से कहा कि उनके नाम पर दिल्ली में एक बैंक खाता चल रहा है,जिससे करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है।

2 घंटे में दिल्ली आओ,नहीं तो जेल जाओगे

महिला ने बुजुर्ग को डराते हुए कहा कि अगर वे दो घंटे के भीतर दिल्ली नहीं पहुंचे तो उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी हो जाएगा। बुजुर्ग ने जब अपनी ढलती उम्र और खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया,तो उनकी बात कथित आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार गौतम और खुद को सीबीआई का टीम लीडर बताने वाले प्रदीप सिंह से कराई गई।

घर में कैद रहे बुजुर्ग,हर घंटे भेजना पड़ता था कोडवर्ड

ठगों ने बुजुर्ग को इस कदर मानसिक रूप से अपनी गिरफ्त में ले लिया कि वे पूरी तरह उनके नियंत्रण में आ गए। आरोपियों ने उन्हें सख्त हिदायत दी कि वे इस मामले की चर्चा अपने परिवार या किसी बाहरी व्यक्ति से न करें। बुजुर्ग पर नजर रखने के लिए ठग हर घंटे व्हाट्सएप कॉल और मैसेज करते थे। इतना ही नहीं,बुजुर्ग को हर घंटे WE ARE SAFE नामक कोडवर्ड भेजने के लिए मजबूर किया जाता था, ताकि ठगों को उनकी पल-पल की लोकेशन मिलती रहे। इस डर के कारण पीड़ित कई दिनों तक मानसिक तनाव में घर के भीतर ही सिमटे रहे।

एफडी तुड़वाकर खाते में ट्रांसफर करवाए 22 लाख

जब बुजुर्ग पूरी तरह जालसाजों के चंगुल में फंस गए,तो आरोपियों ने जांच और वेरिफिकेशन के नाम पर उनके बैंक खातों और फिक्स डिपॉजिट की जानकारी निकाल ली।18 मई को डरे-सहमे पीड़ित ने अपनी और पत्नी पुष्पा सिंह के नाम पर जमा चार एफडी को समय से पहले तुड़वा दिया और कुल 22.69 लाख रुपये एक खाते में जमा किए। अगले दिन ठगों ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नाम का एक फर्जी पत्र व्हाट्सएप पर भेजा और 'रकम सत्यापन' के नाम पर एक निजी कंपनी के खाते में 22 लाख रुपये आरटीजीएस करवा लिए।

गहने गिरवी रखने का दबाव बनाया,तब खुला राज

22 लाख रुपये ऐंठने के बाद भी ठगों की भूख शांत नहीं हुई। 23 मई को उन्होंने दोबारा फोन कर संपत्ति की जांच का हवाला देते हुए 8 लाख रुपये और जमा करने का दबाव बनाया। जब बुजुर्ग ने असमर्थता जताई,तो ठगों ने उन्हें घर के जेवर तक गिरवी रखने की सलाह दे डाली। इस बात पर बुजुर्ग को शक हुआ और उन्होंने हिम्मत जुटाकर अपने परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई। परिवार को समझते देर नहीं लगी कि यह साइबर ठगी है,जिसके बाद तुरंत पुलिस से संपर्क किया गया।

पुलिस ने कसी कमर,साइबर सेल खंगाल रही रिकॉर्ड

अमरपाटन पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य आरोपी अदिति शर्मा,कथित आईपीएस सुनील कुमार गौतम और प्रदीप सिंह के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

इनका कहना है-

मामला बेहद गंभीर है। मैहर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में साइबर सेल की विशेष टीम को काम पर लगाया गया है। जिस खाते में रकम ट्रांसफर हुई है उसे फ्रीज कराने की प्रक्रिया जारी है। मोबाइल नंबरों और बैंक ट्रांजेक्शन के सुरागों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की जनसुनवाई में आए 29 आवेदन

पन्ना। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 29 आम लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर ऊषा परमार एवं संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकृत कीं। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

मिढासन नदी में तैरती मिली नवजात बच्ची, क्षेत्र में फैली सनसनी

अमानगंज। मंगलवार को मिढासन नदी पुल के पास उस समय क्षेत्र में सनसनी फैल गई, जब नदी में एक नवजात बच्ची का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। यह हृदय विदारक दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं और पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। जिस मासूम बच्ची को जन्म के बाद मां की ममता, परिवार का स्नेह और जीवन की खुशियां मिलनी थीं, वह नदी की लहरों में बेसहारा हालत में तैरती मिली। घटना ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर कर रख दिया। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थिति रही होगी, जिसने इस नन्हीं जान को जन्म लेते ही मौत की गोद में पहुंचा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। नगर पालिका की टीम के सफाई कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद नदी से नवजात बच्ची के शव को बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज भेजा गया, जहां चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। पहचान नहीं होने के कारण पोस्टमार्टम उपरांत नवजात बच्ची को नियमानुसार दफनाया गया। मासूम की खामोश विदाई ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। नदी में मिली यह नवजात बच्ची अपने पीछे कई सवाल छोड़ गई है। उसकी नन्हीं सी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर इस मासूम को नदी में कौन और किन परिस्थितियों में छोड़ गया। घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध और व्यथित कर दिया है।

शिवधाम में गोवर्धन पूजा और रुक्मिणी-कृष्ण विवाह की धूम

पवई। शिवधाम बस स्टैंड परिसर में सुशील कुमार मिश्रा द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन रविवार को गोवर्धन पूजा एवं भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास पंडित रामगोपाल पाण्डेय ने गोवर्धन पूजा का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अभिमान को चूर कर ब्रजवासियों को गोवर्धन पर्वत की शरण में लाकर रक्षा की और प्रकृति पूजन का संदेश दिया था। उन्होंने बताया कि हमें देवी-देवताओं के साथ-साथ प्रकृति, गौ-माता और पर्यावरण की भी पूजा करनी चाहिए, क्योंकि यही हमारा सच्चा रक्षक है। कथा के दौरान गोवर्धन पूजा अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। 56 भोग लगाकर गोवर्धन महाराज की पूजा अर्चना की गई। कथा व्यास पंडित रामगोपाल पाण्डेय ने भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह का मनोहारी प्रसंग मे बताया कि रुक्मिणी जी ने भगवान श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने के लिए जो पत्र लिखा था, वह प्रेम और भक्ति की पराकाष्ठा है। भगवान ने रुक्मिणी का हरण कर विधि-विधान से विवाह रचाया और धर्म की रक्षा की।

जो नियम 2009 के बाद बनाया गया वह नियम 2003-04 से लागू कैसे माना जाये सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय, शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी को लेकर कई सवाल

टीईटी परीक्षा को लेकर जहां बीसों वर्ष की सेवायें देने के बाद शिक्षकों को परीक्षा देने के लिये अनिवार्य निर्णय माननीय सर्वोच्च न्यायालय का सबसे बड़ा सवाल जिन सरकारों ने इन शिक्षकों को सेवा में रखा आखिरकार नियम सरकार ने बनाये तो फिर शिक्षक दोषी कैसे हो गये

पन्ना।

आज सरकार के निर्णय के बजाय शिक्षकों को पात्रता परीक्षा जहां अब बीसों वर्ष बाद सेवाकाल में देने के लिये अनिवार्य किया गया आखिरकार शिक्षा विभाग में ही यह नियम लागू क्यों सभी विभागों के लिये पात्रता परीक्षा क्या कभी भी किसी भी समय लागू होगी सवाल नं0-2 जब टीईटी परीक्षा को लेकर जो नियम 2009 के बाद बनाया गया वह नियम 2003-04 में नियुक्ति से शिक्षकों के ऊपर प्रभावशील कैसे आखिरकार नियम बनने से पहले ही लागू हो जाता है यह है हमारे देश का कानून टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य को लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि सभी चुप माननीय सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय पर सवाल तो यह है कि कानून बनने से पहले कैसे लागू हो गया।

वर्तमान समय में देश में कब और क्या कैसे लागू हो जाये यहां सब जायज है फिर उसके बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पालन हमारे देश में किये जाने को लेकर तो निश्चित ही है इसका विरोध तो नहीं कर सकते माननीय न्यायालय का सम्मान तो करना लाजमी है पर सवाल जहां कई तरह के जरूर जवाब को लेकर तय है जो नियम 2009 के बाद बनाया जाता है वह नियम उन शिक्षकों पर केसे लागू हो जिनकी सेवा 2003-04 से आरंभ हो चुकी है सवाल नं0 2 शासकीय सेवा में शिक्षकों कीं नियुक्ति को लेकर तत्कालीन सरकारों ने नियम बनाये जिसके तहत इन शिक्षकों को शसकीय सेवा में रखा गया इतना ही नहीं कई सरकारें बदली शिक्षकों के वेतनमान बढाये गये जिनकी सेवायें सतत ली जा रही है अचानक टीईटी परीक्षा पात्रता परीक्षा शिक्षकों को बीसों वर्ष की सेवा के बाद देने के लिये माननीय सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आ चुका है। सवाल यह उठता है कि जिन सरकारों ने शिक्षकों को शसकीय सेवा में पदस्थ किया आखिरकार उन नियमों का क्या किसने नियम बनाये क्या यहां शिक्षक दोषी या फिर तत्कालीन समय में जो नियम बनाये गये थे उसके पालन में शिक्षकों को शासकीय सेवा में रखा गया तो यहां शिक्षकों का कसूर क्या है आखिरकार शासकीय सेवा में शिक्षकों को जहां 2003-04 से सेवायें शिक्षाकर्मी व संविदा शिक्षक के रूप में प्रदान की गई थी जिनका संविलियन बखूबी जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा किया गया। वहीं इन्हें शिक्षक के रूप में पहचान दी गई वर्तमान समय में सरकार के द्वारा इन्हें समय-समय पर प्रमोशन के रूप में भी उचित माना गया इनका वेतनमान बढाया गया अचानक 2009 के बाद का बना कानून पिछले 10-12 वर्ष पूर्व से कैसे लागू माना जाये यह कौन सा नियम आखिरकार जो बनने से पहले ही 10-12 वर्ष पहले लागू हो जाता है आखिरकार शिक्षक ही नहीं है शिक्षकों से परिवार जुड़े है ऐसे नियम जो जबरन तानाशाही के रूप में जो तानाशाही के रूप में थोपे जायें वह भी जहां से सर्वोच्च न्यायालय माननीय जिनके न्याय को लेकर सम्मान सभी के दिलों में रहता है यहां माननीय न्यायालय का निर्णय क्या इन सरकारों पर लागू नहीं होता जिन्होंने नियम बनाकर शासकीय सेवा में शिक्षकों को रखा है आखिरकार शिक्षक कहां दोषी फिर शिक्षकों को परीक्षा देने के लिये बाध्य किया जा रहा है बीसों वर्ष की सेवा देने के बाद आखिरकार कानून का पालन कराये जाने वाले बुद्धिजीवियों व माननीय न्यायालय से जुड़े समस्त एडवोकेट व हमारे विधानसभा से लेकर लोकसभा व राज्य सभा का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनिधियों से सवाल है ऐसा कौन का नियम जो बनने के पिछले 12 वर्ष पूर्व लागू हो जाता है। आखिर सवाल तो बनता ही है जिम्मेदार सरकारें क्या माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को लेकर कुछ विचार करेंगी या कि समस्त विभागों में जो शासकीय सेवा में नियुक्तियां की जाती है क्या उनकी परीक्षा बीसों वर्ष की सेवा के बाद ली जायेगी आखिरकार देश में इस तरह से माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि विचार करेंगे शिक्षक ही नहीं शिक्षकों से उनके परिवार भी जुड़े है वहीं शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है आगे इस तरह के हालात पर होगा क्या?।

जेके सीमेंट वर्क्स द्वारा निकाली गई पर्यावरण जागरूकता रैली

अमानगंज।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर जेके सीमेंट वर्क्स, पन्ना द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में 100 से अधिक आईटीआई विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली का शुभारंभ जेके सीमेंट वर्क्स, पन्ना के यूनिट हेड एवं कारखाना प्रबंधक श्री कपिल अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयासों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख अवनीश गौतम, पर्यावरण प्रमुख अजय शर्मा, तकनीकी प्रमुख खेमेन्द्र कुमार, वाणिज्यिक प्रमुख आलोक राज गौतम, पर्यावरण टीम के सुदामा गुप्ता तथा सीएसआर विभाग के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सागर के क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आयोजित इस रैली के दौरान प्रतिभागियों को "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट (स्पथ्र)" अभियान की जानकारी दी गई तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में शामिल विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने "पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ", "स्वच्छ हवा-स्वस्थ जीवन" तथा "हरित भविष्य-हमारी जिम्मेदारी" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। रैली ने नगरवासियों का ध्यान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों की ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने आगामी मानसून सत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरके मौर्य सेवा निवृत्त, कृषि विभाग ने दी भावभीनी विदाई

उपसंचालक ओपी तिवारी सहित विभागीय अधिकारियों ने की सेवाओं की सराहना

पवई।

कृषि विभाग पवई में पदस्थ वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरके मौर्य अपने दीर्घकालीन सेवाकाल के बाद रविवार को सेवा निवृत्त हो गए। इस अवसर पर कृषि विभाग कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि ओपी तिवारी ने आरके मौर्य के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किसानों की सेवा की है। खेती-किसानी को उन्नत बनाने में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। परियोजना संचालक आत्मा एपी सुमन ने कहा कि मौर्य जी का व्यवहार और कार्यशैली सभी के लिए प्रेरणादायी रही है। इस दौरान सहायक संचालक कृषि एनपी प्रजापति, अंकित रावत, यूएस बागरी एवं सहायक ग्रेड-2 राघवेन्द्र सिंह सहित समस्त स्टाफ ने श्री मौर्य को शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। सभी ने उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। विदाई से भावुक हुए आरके मौर्य ने कहा कि विभाग ने उन्हें परिवार जैसा स्नेह दिया है और किसान सेवा का अवसर मिलना उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। विदाई समारोह में कृषि विभाग पवई का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समिति एवं विशेष प्रकोष्ठ के गठन की समीक्षा

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन के संबंध में दिए निर्देश

पन्ना। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन व निगरानी के लिए समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा प्रत्येक स्तर पर समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने सहित सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का अनुपालन करवाया जाएगा। कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय समिति एवं गठित विशेष प्रकोष्ठ की पहली बैठक हुई। इस मौके पर नपाध्यक्ष मीना पाण्डेय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष सिंह यादव एवं जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण शशिकपूर गढ़पाले, समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में पीओ डूडा द्वारा जिला स्तर से क्रियान्वित कार्यों तथा समिति एवं प्रकोष्ठ गठन संबंधी जानकारी के साथ निकाय स्तर पर महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। कलेक्टर श्रीमती परमार ने समिति की बैठक में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के दृष्टिगत आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब नवीन नियम लागू होने के फलस्वरूप होटल के कचरा और जल का उचित प्रबंधन जरूरी है। अन्य संस्थाओं तथा नागरिकों को भी विहित नियमों का पालन करना होगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के उद्देश्य से अब लापरवाही पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। जिला कलेक्टर ने निकाय स्तर पर इन नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार की बात कही तथा एक सप्ताह में परिणाममूलक प्रयास के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बैठक में उपस्थित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय सागर की अधिकारी को सभी नगरीय निकायों का निरीक्षण कर अवैध व अनाधिकृत कचरा निस्तारण स्थल के संबंध में अपेक्षित कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को भी प्रत्येक 15 दिवस में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी निकायों में व्यवस्थित रूप से बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर देते हुए निकायों में ट्रेंचिंग ग्राउण्ड के चिन्हांकन के लिए भी कहा। साथ ही इस संबंध में निकायवार जानकारी प्राप्त की व जनप्रतिनिधियों से भी स्वयं के स्तर पर बैठक लेकर नवीन नियमों व प्रावधानों से जनसामान्य को अवगत कराने की अपेक्षा की। बैठक में सीएमओ को होटल और संस्थानों में नियमों का पालन न होने की स्थिति में कड़ी कार्यवाही तथा प्रत्येक वार्ड में आरआरआर केन्द्रों की स्थापना के लिए कहा। नगरीय क्षेत्र के साथ ही बड़ी ग्राम पंचायतों में भी कचरा पृथक्करण कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वार्ड एवं मोहल्लों में कचरा फैलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही पर भी चर्चा हुई। आवश्यक सुझाव प्राप्त कर समस्त एसडीएम को अपने क्षेत्र के नगरीय निकायों में एकत्रित कचरा के निपटान की व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही अस्पताल के कचरे का पृथक से निराकरण के निर्देश भी दिए गए। विदित हो कि समिति द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही की जाकर सभी डम्पिंग स्थलों का वर्चुअल निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

हनुमान भाटे में बदहाल पड़े चलित शौचालय, श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी

पवई।

नगर परिषद पवई द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लाखों रुपये की लागत से स्थापित किए गए चलित (पोर्टेबल) शौचालय इन दिनों बदहाली का शिकार बने हुए हैं। रखरखाव के अभाव में कई शौचालय क्षतिग्रस्त होकर खुले मैदान में पड़े हैं, जिससे श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हनुमान भाटे में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद द्वारा मोबाइल टॉयलेट यूनिटों की व्यवस्था की गई थी, लेकिन लंबे समय से देखरेख नहीं होने के कारण ये शौचालय अनुपयोगी होते जा रहे हैं। कई स्थानों पर शौचालयों के हिस्से टूट-फूट गए हैं और स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सुविधा का उचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है। यदि समय रहते मरम्मत और देखरेख नहीं की गई तो पूरी व्यवस्था बेकार साबित हो सकती है। श्रद्धालुओं ने नगर परिषद से शौचालयों की शीघ्र मरम्मत कराने तथा नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने की मांग की है। इस मामले को लेकर नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च होने वाले सरकारी धन का संरक्षण और उपयोगिता बनाए रखना भी जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही है। अब देखना होगा कि नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर कब तक संज्ञान लेते हैं और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाते हैं। नगर परिषद द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्थापित चलित शौचालय रखरखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त होकर बदहाली की तस्वीर पेश कर रहे हैं। लाखों रुपये की लागत से बनाई गई यह व्यवस्था आज अनुपयोगी होती जा रही है, जबकि श्रद्धालु मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। जब इस सम्बन्ध मे नगर परिषद अध्यक्ष पवई बसंत दहायत से बात करने करने कि कोशिस कि गई तो कई बार कॉल करने के बाद भी कॉल का जवाब नहीं दिया।

गर्भवती महिला के लिए देवदूत बने पिंकू महाराज, भोपाल जाने के सफर को रोक जिला अस्पताल में किया 8वीं बार रक्तदान

पन्ना। इंसानियत और सेवा की एक बेहद भावुक कर देने वाली तस्वीर आज जिला अस्पताल पन्ना में देखने को मिली। जब एक तरफ एक जिंदगी और आने वाली नन्हीं सांसों पर संकट मंडरा रहा था, तब शहर के एक संवेदनशील नागरिक ने अपने जरूरी सफर को बीच में ही रोककर मानवता की एक नई मिसाल पेश की। उनके इस निस्वार्थ प्रयास से आज एक परिवार की खुशियां उजड़ने से बच गईं।

सुबह से भटक रहा था परिवार, नहीं मिल रहा था दुर्लभ निगेटिव ब्लड- प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना झुमटा निवासी मुकेश सिंह की 31 वर्षीय पत्नी कल्पना सिंह चंदेल को आज जिला अस्पताल पन्ना में प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। कल्पना की पहले से एक बेटी है और आज उनका दूसरा प्रसव सिजेरियन ऑपरेशन (सीजर) के जरिए होना तय था। ऑपरेशन से ठीक पहले डॉक्टरों ने खून की व्यवस्था करने को कहा। महिला का ब्लड ग्रुप श्रेयर निगेटिव+ होने के कारण ब्लड बैंक में उपलब्ध नहीं था। सुबह से ही ससुराल और मायके पक्ष के लोग अपने स्तर पर खून की तलाश में भटक रहे थे, लेकिन परिवार या रिश्तेदारों में किसी का भी निगेटिव ब्लड ग्रुप नहीं निकला। जैसे-जैसे ऑपरेशन का समय नजदीक आ रहा था, परिजनों की सांसें अटक रही थीं और वे असहाय होकर जिला अस्पताल परिसर में परेशान घूम रहे थे।

सोशल मीडिया पर गुहार और समाजसेवी की सक्रियता- परिजनों की इस बेबसी को देखकर वहां मौजूद समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी आगे आए। उन्होंने पूरी स्थिति को समझा और तुरंत इस गंभीर समस्या को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया। उन्होंने पन्ना के जागरूक नागरिकों से इस दुर्लभ ब्लड ग्रुप के लिए तत्काल रक्तदान करने की मार्मिक अपील की।

खबर संक्षेप

केन-बेतवा परियोजना का मुआवजा न मिलने पर ग्रामीणों ने जन सुनवाई में लगाई गुहार

छतरपुर। केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित ग्राम ढोढन के ग्रामीण मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और मुआवजा न मिलने की समस्या से प्रशासन को अवगत कराया।
ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की कि प्रभावित परिवारों को समय पर और उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।
ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के तहत कई पात्र परिवार अब भी मुआवजे से वंचित हैं, जबकि उनके मकानों को हटाने और ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
इससे प्रभावित परिवारों के सामने आवास और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।ग्राम ढोढन निवासी दीपचंद्र यादव ने बताया कि उनके पिता का ऑपरेशन होना है, लेकिन अब तक मुआवजे की राशि नहीं मिलने से आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक राशि का भुगतान नहीं हुआ है।वहीं खिलन यादव ने बताया कि गांव के लगभग 200 परिवार परियोजना से प्रभावित हैं। अधिकांश लोगों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है, जबकि मकान गिराने के आदेश जारी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मुआवजा नहीं मिलता, तब तक परिवारों के सामने रहने और जीवनयापन की गंभीर समस्या बनी रहेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर सभी पात्र परिवारों को मुआवजा दिलाने की मांग की है।

बढ़ते अपराध और माफिया राज के खिलाफ एकजुट हुए संगठन

छतरपुर। जिले में तेजी से पैर पसार रहे अपराध, अवैध काले कारोबार और सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों ने एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक को एक संयुक्त ज्ञापन सौंपा है। बुंदेलखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन, सामाजिक संगठनों, जागरूक नागरिकों और जिला अधिवक्ता संघ छतरपुर के पदाधिकारियों ने शहर की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।ज्ञापन में प्रमुखता से उल्लेख किया गया है कि बीते 28 मई 2026 को थाना ओरछा रोड के अंतर्गत सटोरियों के दबाव में आकर व्यापारी राजेश अग्रवाल ने आत्महत्या कर ली थी। मृतक के पास से लैपटॉप, मोबाइल और सुसाइड नोट बरामद हुआ था, जिसमें सटोरियों के नेटवर्क के पुख्ता सबूत हैं। संगठनों ने मांग की है कि युवाओं और व्यापारियों को निशाना बना रहे इस एमसीएक्स और आईपीएल सट्टा नेटवर्क को ध्वस्त कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।संगठनों ने छतरपुर की शांत छवि को नुकसान पहुंचा रहे निम्नलिखित अवैध धंधों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है जिनमें मेडिकल स्टोरों पर खुलेआम बिक रही नशीली दवाइयां। शहर में संचालित संदिग्ध देह व्यापार। सूदखोरों द्वारा डायरी बनाकर गरीबों से वसूला जा रहा अवैध ब्याज।

सुसाइड नोट से खुला करोड़ों के काले कारोबार के राज, 5 दिन पहले कारोबारी ने दी थी जान

छतरपुर के चर्चित एमसीएक्स मामले में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

व्यापारी शरद अग्रवाल, सुरेश नगरिया, कल्लू कलई मोनू अग्रवाल सहित अन्य आरोपी फरार

छतरपुर। ऑनलाइन कमोडिटी ट्रेडिंग और कथित सट्टा कारोबार से जुड़े छतरपुर के चर्चित सनसनीखेज मामले में आखिरकार 5 दिन बाद पुलिस ने सुसाइड नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। उल्लेखनीय है कि शहर की श्रीराम कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे झांसी निवासी 50 वर्षीय कारोबारी राजेश अग्रवाल ने 5 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मिले सुसाइड नोट ने न केवल आत्महत्या के कारणों का खुलासा किया है, बल्कि शहर में कथित रूप से संचालित करोड़ों रुपये के मैच और एमसीएक्स सट्टा नेटवर्क पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की सबसे बड़ी बात यह है कि जांच के दायरे में शहर के कई नामचीन और प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने की चर्चा है, जिससे पूरे मामले ने शहर में व्यापक चर्चा का विषय बना लिया है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से बरुआ सागर जिला झांसी के रहने वाले राजेश अग्रवाल पिछले चार से पांच वर्षों से छतरपुर में रहकर कारोबार कर रहे थे। उनका शव श्रीराम कॉलोनी स्थित किराए के मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना मिलने पर ओरछा रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके से एक सुसाइड नोट तथा जहरीले पदार्थ की डिब्बी बरामद की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहरीले पदार्थ के सेवन से दम घुटने के कारण मौत होना पाया गया है। मृतक की मां कृष्णा अग्रवाल के बयान और सुसाइड नोट के अनुसार राजेश अग्रवाल ने रोहित पटेरिया उर्फ छोटू पटेरिया के साथ मिलकर एमसीएक्स कमोडिटी ट्रेडिंग का काम शुरू किया था। सुसाइड नोट में आरोप लगाया गया है कि गलत ट्रेडिंग सौदों के कारण उसे करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ, जिससे वह कर्ज के बोझ तले दब गया। आर्थिक स्थिति बिगडऩे के बाद कर्जदाताओं ने लगातार दबाव बनाना शुरू कर दिया। सुसाइड नोट में रोहित पटेरिया, अनवर खान, शरद अग्रवाल, सुरेश नगरिया, कल्लू कलई और मोनू उर्फ दीपक अग्रवाल के नाम लिखे गए हैं। मृतक के अनुसार ये लोग लगातार रकम वापस करने का दबाव बना रहे थे और रुपये न देने पर परिवार को सड़क पर लाकर भीख मंगवाने तथा जान से मारने जैसी धमकियां दे रहे थे। इन धमकियों और मानसिक प्रताडऩा से वह पूरी तरह टूट चुका था।

सुसाइड नोट में करोड़ों के सट्टा कारोबार का दावा -

आत्महत्या से पहले लिखे गए नोट में राजेश अग्रवाल ने शहर में चल रहे कथित सट्टा कारोबार का भी उल्लेख किया है। उसने लिखा है कि छतरपुर में प्रतिदिन करोड़ों रुपये का मैच और एमसीएक्स का खेल संचालित हो रहा है, जिसमें कई लोग जुड़े हुए हैं। उसने प्रशासन से इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस कारोबार पर रोक नहीं लगी तो और भी परिवार बर्बाद हो सकते हैं।

कई नामचीन लोगों तक पहुंच सकती है जांच

मामले की जांच के दौरान पुलिस अब मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रांजेक्शन और व्हाट्सएप चैट की पड़ताल कर रही है। सुसाइड नोट में भी यह उल्लेख किया गया है कि मुख्य आरोपी शहर के कई सटोरियों और बुकियों को जानता है। सूत्रों के अनुसार जांच का दायरा बढऩे पर शहर के कई नामचीन और प्रभावशाली लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। यही वजह है कि यह मामला अब केवल आत्महत्या तक सीमित न रहकर एक बड़े नेटवर्क की जांच के रूप में देखा जा रहा है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक ने अपने अंतिम पत्र में परिवार की चिंता भी व्यक्त की है। उसने लिखा कि उसकी बुजुर्ग मां चलने-फिरने में असमर्थ हैं, पत्नी मानसिक रूप से अस्वस्थ है और बेटा लगातार बीमार रहता है। उसने प्रशासन से अपने परिवार की सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की है।

छह आरोपियों पर मामला दर्ज, पुलिस तलाश में जुटी -

ओरछा रोड थाना पुलिस ने उपनिरीक्षक दीपक कुमार यादव की जांच रिपोर्ट के आधार पर छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108, 61(2) और 351(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी है, लेकिन फिलहाल सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

अवैध सट्टा नेटवर्क पर भी होगी कार्रवाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लेखराज मीणा के निर्देशन में पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू विवाद में पत्नी ने डंडे से की पति की हत्या वारदात के बाद थाने पहुंचकर किया सरेंडर

छतरपुर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित शिवनगर कॉलोनी में घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान पत्नी नीलम ने गुस्से में आकर अपने पति पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटें लगने और अत्यधिक रक्तस्राव होने से 30 वर्षीय दीनदयाल कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दीनदयाल कुशवाहा की शादी करीब 12 वर्ष पूर्व हुई थी और वह अपनी ससुराल में रह रहा था। दंपति के दो छोटे बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि लंबे समय से पति-पत्नी के बीच संबंध तनावपूर्ण थे। परिजनों के मुताबिक दीनदयाल शराब के नशे में अक्सर पत्नी नीलम के साथ मारपीट करता था, जिससे दोनों के बीच लगातार विवाद होता रहता था। यहां तक कि दोनों के बीच तलाक की चर्चा भी चल रही थी।

घटना के बाद आरोपी पत्नी नीलम बिना किसी भय के सीधे सिविल लाइन थाने पहुंची और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के सभी पहलुओं का खुलासा हो सकेगा। मृतक के पिता करोड़ी कुशवाहा ने बताया कि पहले वह किराए के कमरे में रहा जहां से पुत्र दीनदयाल के ससुर रामस्वरूप से उसे मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद बीते रोज अपनी ससुराल पहुंचा जहां ससुर रामस्वरूप और बहू नीलम ने मारपीट कर बेटे की हत्या कर दी। मुझे फोन से जानकारी दी गई कि छतरपुर आकर अपने पुत्र से मिल ले। यहां आकर पता चला कि उसकी हत्या कर दी गई है।

सगे भाइयों और भाभी पर माता-पिता व बहनों पीटने का आरोप, कलेक्टर से न्याय की गुहार

छतरपुर। सरवई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोहानी में पारिवारिक विवाद और संपत्ति के लालच में सगे रिश्तों के लहूलुहान होने का गंभीर मामला सामने आया है। बांदा (उ.प्र.) से आईं प्रार्थीया श्रीमती सावित्री सिंह ने छतरपुर कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अपने सगे भाइयों और भाभी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और त्वरित गिरफ्तारी की मांग की है।शिकायत के अनुसार प्रार्थीया के भाई भीम सिंह, कल्लू सिंह, भाभी प्रभा सिंह और भाभी के भाई राजपाल व जीतू मिलकर पिछले कुछ समय से माता-पिता को प्रताड़ित कर रहे थे। सूचना मिलने पर जब सावित्री और उसकी तीन बहनें गुडिय़ा, गौरी, रेनू अपने मायके आईं, तो आरोपियों ने उनके सामने भी पिता के साथ मारपीट की।हद तो तब हो गई जब 31 मई 2026 को आरोपियों ने दोबारा पिता को पीटना शुरू किया। जब बहनों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो

आरोपियों ने लाठी, कुल्हाड़ी, फरसा और ईंटों से हमला कर प्रार्थीया, उसकी तीनों बहनों और माता-पिता को गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थीया का आरोप है कि घटना के बाद थाना सरवई में अपराध दर्ज किया गया है, लेकिन पुलिस ने प्रभाव में आकर बेहद साधारण धाराएं लगाई हैं और सही रिपोर्ट दर्ज नहीं की। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है, जिसके डर से पीड़ित परिवार अपने पैतृक घर भी नहीं जा पा रहा है।आवेदन में यह भी आशंका जताई गई है कि आरोपीगण धोखे से पटवारी को बुलाकर माता-पिता के दस्तखत करा चुके हैं और उनकी कृषि भूमि व मकान की फर्जी रजिस्ट्री कराने की फिराक में हैं। पीड़ितों ने कलेक्टर एवं एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, धाराओं में इजाफा करने, आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और परिवार की जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। थाना प्रभारी शिशिर तिवारी का कहना है कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाही की जाएगी।

टैक्स पूरा, फिर भी बूंद-बूंद को तरस रहे लोग

बजरंग नगर के वाशिंदों ने कलेक्टर से लगाई पानी की गुहार

छतरपुर। शहर के वार्ड नंबर 17, बजरंगनगर कॉलोनी के निवासी भीषण गर्मी के इस दौर में पानी की गंभीर किल्लत से जूझ रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि मात्र 100 मीटर की दूरी पर नगर पालिका की मुख्य पाइपलाइन मौजूद है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन इस दूरी को पाटकर कॉलोनी तक पानी पहुँचाने में नाकाम रहा है। आज इसी समस्या को लेकर कॉलोनीवासियों की ओर से एडवोकेट शिवविजय सिंह ने कलेक्टर को एक शिकायती पत्र सौंपकर जल्द से जल्द पानी की सप्लाई शुरू कराने की मांग की है।
कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन के अनुसार बजरंगनगर कॉलोनी के बीएसएनएल रोड वाले हिस्से में करीब 10 से 15 घरों में पानी की भीषण समस्या बनी हुई है। कॉलोनी की इस गली से महज 100 मीटर दूर नगर पालिका की मुख्य जल आपूर्ति लाइन बिछी हुई है, जिससे अन्य इलाकों में नियमित सप्लाई हो रही है। निवासियों का कहना है कि अगर प्रशासन इस मुख्य लाइन से जोड़कर मात्र 100 मीटर की पाइपलाइन और डाल दे, तो इन सभी घरों की प्यास बुझ सकती है।वार्डवासियों का आरोप है कि वे अपनी इस समस्या को लेकर लंबे समय से दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सबसे पहले 17 मार्च 2026 को नगर पालिका में लिखित आवेदन दिया गया था। जब वहाँ कोई सुनवाई नहीं हुई, तो 31 मार्च 2026 को कलेक्टर की जनसुनवाई में भी गुहार लगाई गई। इसके बावजूद ढाई महीने बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहे नागरिकों में प्रशासन के ढुलमुल रवैए को लेकर भारी आक्रोश है। आवेदन में स्पष्ट कहा गया है कि कॉलोनी के सभी निवासियों के मकान नगर पालिका के रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज हैं। वे सभी नगर पालिका द्वारा निर्धारित भवन टैक्स और अन्य सभी सरकारी शुल्क समय पर जमा करते आ रहे हैं। ऐसे में नियमित टैक्स चुकाने के बाद भी उन्हें पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए तरसना पड़ रहा है, जो कि न्यायसंगत नहीं है।कॉलोनी की ओर से शिवविजय सिंह ने प्रशासन से विनय किया है कि समस्त वार्डवासियों की इस विकट समस्या को देखते हुए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने मांग की है कि नगर पालिका जल्द से जल्द यहाँ 100 मीटर की अतिरिक्त पाइपलाइन पहुंचाए और नियमानुसार वार्डवासियों से जल सुरक्षा निधि जमा कराते हुए उन्हें वैध जल कनेक्शन जारी करे, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

कामाख्या होटल के बाहर फिर भड़का विवाद, दोनों पक्षों में चले लाठी-डंडे, युवक लहूलुहान

छतरपुर। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर रोड स्थित कामाख्या होटल के बाहर एक बार फिर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। होटल कर्मचारियों और स्थानीय युवकों के बीच हुए झगड़े में लाठी-डंडे चलने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही।जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद और हाथापाई हुई थी। उस समय आपसी राजीनामे के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन अगले ही दिन फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट शुरू हो गई और लाठी-डंडे

चलने लगे। घायल असिफ खान निवासी नारायणपुरा रोड देर रात खून से लथपथ हालत में अपने साथियों के साथ जिला अस्पताल पहुंचा। चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। असिफ खान ने आरोप लगाया कि वह रात करीब 10 बजे वहां से गुजर रहा था, तभी होटल मालिक और कर्मचारियों ने उसे विवाद करने आया समझकर रास्ते में रोक लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की।दूसरी ओर, सूत्रों के अनुसार होटल पक्ष के कुछ कर्मचारी भी इस विवाद में घायल हुए हैं। हालांकि देर रात तक होटल पक्ष की ओर से कोई भी घायल उपचार के लिए जिला अस्पताल नहीं पहुंचा था और न ही थाने में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच एक बार फिर समझौते की कोशिशें चल रही हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाली निर्माण में लापरवाही और अतिक्रमण से ग्रामीण परेशान, उग्र आंदोलन की चेतावनी

छतरपुर। जिले के गौरिहार तहसील अंतर्गत ग्राम उदयपुर के मुख्य रास्ते पर जलभराव और अतिक्रमण की गंभीर समस्या को लेकर आज ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गाँव के मुख्य मार्ग पर बनी नाली को अनावेदक राजू द्वारा अपने खेत के पास पक्की दीवार बनाकर अवरुद्ध कर दिया गया है।इस अतिक्रमण के कारण साल 2023 से लगातार मुख्य रास्ते पर नाली का गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और आम राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।आवेदन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शासन द्वारा उक्त नाली के निर्माण हेतु 6,90,000 स्वीकृत किए गए थे, लेकिन सरपंच और सचिव की मिलीभगत से इस राशि का बंदरबांट कर दिया गया। ग्रामीण इससे पहले 26 मई 2026 को भी कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर चुके हैं, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी अब तक इस पर कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई है।

एनसीएल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन तालाबों के निर्माण हेतु ज़िला प्रशासन, सिंगरौली के साथ किया एमओयू

सिंगरौली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफ़ील्डस लिमिटेड (एनसीएल) ने ₹जल गंगा संवर्धन₹ अभियान के तहत जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन के उद्देश्य से नवीन तालाबों के निर्माण हेतु जिला प्रशासन, सिंगरौली के साथ एमओयू किया। इस एमओयू के अंतर्गत सीएसआर के तहत एनसीएल द्वारा चितरंगी के ग्राम सुलखान खुर्द, ग्राम नैक़हवा एवं ग्राम कोरसर में 3 नवीन तालाबों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये का वित्तीय सहयोग किया जाएगा। एनसीएल के इस प्रयास से जल संरक्षण के साथ भूजल स्तर में सुधार होगा जिस से स्थानीय किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल सुलभ मिलेगा जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी।
इस दौरान एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर), राजीव रंजन और जिला ज़िला प्रशासन, सिंगरौली की ओर से पंचायत सीईओ, जगदीश गोमे ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि "जल गंगा संवर्धन" अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जल स्रोतों के पुनर्जीवन तथा जल संरक्षण व जल संरचनाओं के विकास हेतु की गई थी। एनसीएल द्वारा अपनी सीएसआर पहल 'स्वच्छ जल' के माध्यम से स्थानीय परिक्षेत्र में स्वच्छ जल उपलब्धता हेतु और 52 तालाबों, 18 चेक डैम, 44 आरओ प्लांट्स, 2946 हेडपम्प इत्यादि की स्थापना की गई है।

एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा वार्ड-39, वैढ़न में मच्छरदानी एवं सैनिटरी पैड का किया वितरण

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा अपनी नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता श्रेणी में सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देते हुए वार्ड-39, वैढ़न के जरूरतमंद निवासियों के बीच 300 मच्छरदानियों एवं 200 सैनिटरी पैड का वितरण किया गया।
यह वितरण कार्यक्रम श्री माहताब आलम, उप महाप्रबंधक (सीएसआर/आर एंड आर) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वार्ड प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता की।कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना तथा महिलाओं एवं किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं सुविधाओं को बढ़ावा देना था। लाभार्थियों ने इस पहल के लिए एनटीपीसी विंध्याचल के प्रति आभार व्यक्त किया। एनटीपीसी विंध्याचल समय-समय पर स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं सामुदायिक विकास से संबंधित विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यह पहल भी समुदाय की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जनकल्याण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

खबर संक्षेप

कमिश्नर ने 24 तहसीलदारों को दिया नोटिस

रीवा । रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के 24 तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस दिया है। आरसीएमएस पोर्टल में तय समय सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण न करने पर नोटिस दिया गया है। कमिश्नर ने कहा है कि लंबित राजस्व प्रकरणों तय समय सीमा से बाहर होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने रीवा जिले के तहसीलदार हुजूर नगर अनुपम पाण्डेय, प्रभारी नायब तहसीलदार कोठी तेजपति सिंह, प्रभारी तहसीलदार सेमरिया ममता पटेल तथा प्रभारी तहसीलदार त्योंथर राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला को नोटिस दिया है।कमिश्नर ने सतना जिले में प्रभारी तहसीलदार रघुराजनगर सौरभ मिश्रा, प्रभारी तहसीलदार उचेहरा ज्योति पटेल, प्रभारी तहसीलदार नागौद प्रज्ञा दुबे, प्रभारी तहसीलदार कोटर मणिराज सिंह बागरी तथा प्रभारी तहसीलदार बिरसिंहपुर डॉ शैलेन्द्र बिहारी सिंह को नोटिस दिया है। सीधी जिले में प्रभारी तहसीलदार सिहावल जयप्रकाश पाण्डेय, बहरी इंद्रभान सिंह तथा गोपद बनास राकेश कुमार शुक्ला को नोटिस दिया गया है। सिंगरौली जिले में कमिश्नर ने प्रभारी तहसीलदार सिंगरौली प्रीति सिकरवार, सरई धर्मप्रकाश मिश्रा, चितरंगी नागेश्वर प्रसाद पनिका, माड़ा जान्हवी शुक्ला तथा तहसीलदार सिंगरौली नगर सविता यादव को नोटिस दिया है। कमिश्नर ने मऊगंज जिले के प्रभारी तहसीलदार मऊगंज वीरेन्द्र पटेल तथा प्रभारी तरहसीलदार हनुमना शिवम गौतम एवं मैहर जिले के तहसीलदार रामनगर अनामिका सिंह, तहसीलदार मैहर जितेन्द्र पटेल एवं तहसीलदार अमरपाटन रामदेव साकेत को नोटिस दिया है।

छुट्टी पर आए बीएसएफ जवान की छत से गिरकर मौत

रीवा। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत निराला नगर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की मौत हो गई। जवान घर की छत पर रखे पौधों में पानी दे रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे छत से नीचे गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल जवान को तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रंगीलाल कोल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गुढ़ तहसील क्षेत्र के बड़ागांव के निवासी थे। वर्तमान में उनका परिवार रीवा शहर के निराला नगर में निवास करता है। रंगीलाल कोल बीएसएफ में पदस्थ थे और हाल ही में पश्चिम बंगाल में चुनावी ड्यूटी संपन्न कर अवकाश पर अपने घर आए हुए थे। परिवार के अनुसार दो दिन बाद उन्हें पुनः अपनी ड्यूटी पर लौटना था, लेकिन उससे पहले ही यह दुखद हादसा हो गया। मृतक के पुत्र आशीष कोल ने बताया कि रविवार सुबह उनके पिता रोज की तरह घर की छत पर रखे पौधों में पानी दे रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वे सीधे नीचे जा गिरे। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे अचेत हो गए। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। प्रारंभिक जांच में मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। रंगीलाल कोल की असामयिक मृत्यु से क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने उन्हें मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति बताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बाईपास पुल से हर हाल में 4 जून तक आवागमन बहाल करने के निर्देश

एनिमिक गर्भवती महिलाओं के उपचार की समुचित व्यवस्था करें

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि एमपीआरडीसी के अधिकारी रीवा बाईपास रोड को हरहाल में 4 जून तक आवागमन के लिए बहाल कराएं। इसमें अब देरी सहन नहीं की जाएगी। इसके टेस्टिंग का कार्य 3 जून तक पूरा करा लें। बाईपास रोड के बंद होने के कारण शहर का यातायात लगातार प्रभावित हो रहा है। आमजनता को भी कठिनाई हो रही है।

कमिश्नर ने कहा कि क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एनिमिक गर्भवती महिलाओं के उपचार की समुचित व्यवस्था करें। गर्भवती महिलाओं की जाँच के लिए हर माह की 9 और 25 तारीख को लगने वाले शिविरों में विशेष वाहनों की व्यवस्था करके गंभीर एनिमिक गर्भवती महिलाओं को पहुंचाएं। उन्हें आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन देने के साथ स्वास्थ्य की पूरी जांच भी करें। आवश्यक हो तो उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराकर समुचित उपचार कराएं। हर गर्भवती महिला और शिशु की समुचित देखभाल आवश्यक है। इन शिविरों का प्रतिवेदन नियमित रूप से प्रस्तुत करें। गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और स्वास्थ्य जाँच की भी नियमित मानीटरिंग करें। इनमें लापरवाही बरतने वाले स्वास्थ्य कर्मियों और एएनएम के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री पीएचई पेयजल व्यवस्था की मानीटरिंग करें। एकल नलजल योजनाओं का कार्य पूरा कराकर उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। हैण्डपंपों में अतिरिक्त राइजर पाइप लगाने तथा अन्य तकनीकी कमी दूर करने के लिए तत्परता से प्रयास करें। जिससे हर बसाहट में पेयजल की आपूर्ति की जा सके। मुख्य अभियंता ऊर्जा किसी भी नलजल योजना का बिजली कनेक्शन न काटें। सभी नलजल योजनाओं में बिजली की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करें। वर्षा और तेज हवाओं के कारण विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनके सुधार का कार्य तत्परता से कराएं। बिजली की आपूर्ति में बाधा होने पर व्यावसायिक गतिविधियों, सामान्य कामकाज और कार्यालयीन गतिविधियों में भी असर पड़ता है। कमिश्नर ने कहा कि ई आफिस में रीवा संभाग संभागीय रैंकिंग में प्रदेश में लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इसके लिए सभी संभागीय अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई। अधीनस्थ जिला अधिकारियों को निर्देशित करके मैहर, सिंगरौली, सतना, मऊगंज और सीधी जिलों में भी ई आफिस व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं। सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, पीएचई तथा नगरीय निकाय लंबित आवेदन पत्रों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास परियोजना स्तर पर शिविर लगाकर लंबित आवेदनों का निराकरण कराएं। इसमें सौ दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सभी अधिकारी संभागीय समीक्षा बैठक तथा कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं में तत्परता से कार्यवाही करके पालन प्रतिवेदन दर्ज कराएं। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में भी लंबित आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में संभाग के सभी जिलों की रैंकिंग में गिरावट आ रही है। अभियान से जुड़े विभागों के अधिकारी जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों को विवरण सहित पोर्टल पर दर्ज कराएं। सभी एसडीएम लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। बैठक में कमिश्नर ने समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेंहू के सुरक्षित भण्डारण, मझौली जिला सीधी में अस्पताल भवन निर्माण, स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के आयोजन तथा बाढ़ एवं अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, एसडीओ वन हितेश खण्डेलवाल, डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय तथा संबंधित संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को समय सीमा में आवेदनों के निराकरण के दिये गये निर्देश

जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त हुए 605 आवेदन

रीवा । जिला स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई में 605 में आवेदन प्राप्त हुए। प्रभारी कलेक्टर अक्षत कुमार जैन सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने संबंधित आवेदनों में विभागीय अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे तथा खण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में गढ़ निवासी बृजमोहन पाण्डेय के अवरूद्ध मार्ग को बहाल कराये जाने के आवेदन पर एसडीएम मनगवां को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। राजमणि साकेत उमरी के सीमांकन कराने, नागेश्वर प्रसाद द्विवेदी कटकी के गलत बटवारा व इस्तलबी पर कार्यवाही करने, हनुमान प्रसाद पटेल गुढ़वा के नामांतरण किये जाने, जगदीश प्रसाद वर्मा देवरा फरेंदा के अतिक्रमण हटाने तथा गिरधर गोपाल ढ़खरा के नक्शा तरमीम करने के आवेदनों पर संबंधित तहसीलदारों को कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया। इसी प्रकार ढ़खरा निवासी भोला साहू के नक्शा सुधार के आवेदन पर तहसीलदार त्योंथर, संतोष कोल निवासी पुरास के अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गुढ़, रायपुर कर्चुलियान निवासी धीरज साकेत के शासकीय रास्ते से अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर तहसीलदार रायपुर कचुलियान, अशोक द्विवेदी के खसरा सुधार के आवेदन पर तहसीलदार जवा एवं टिकुरी निवासी शैलेन्द्र पटेल के आग से हुई एक लाख पचहत्तर हजार रूपये की क्षतिपूर्ति राशि दिलाये जाने के आवेदन पर तहसीलदार मनगवां को परीक्षण कर कार्यवाही के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में लोकेश त्रिपाठी गुढ़ के सुरक्षा पेंशन प्रदान करने के आवेदन पर सामाजिक न्याय विभाग को, श्रीनिवास द्विवेदी वांसी के पूर्व सरपंच द्वारा शांतिधाम निर्माण में राशि के गवन करने के आवेदन पर जनपद सीईओ को तथा इटौरा निवासी मानवती बुनकर के बिजली बिल में सुधार के आवेदन पर विद्युत मंडल को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में अनुपस्थित विभागीय अधिकारियों को नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिये गये। सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा तथा डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार बेक ने भी आमजनों की समस्यायें सुनीं।

नाबालिग को धमकाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने पाक्सो एक्ट के तहत की कार्रवाई

रीवा। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है, बता दे आरोपी नाबालिग को जान से मारने की धमकी देकर लगातार उसका यौन शोषण कर रहा था। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 1 जून को पीड़िता ने अमहिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उसने बताया कि अमहिया क्षेत्र में बड़ी दरगाह के पीछे रहने वाला सरताज अंसारी लंबे समय से उसे जान से मारने की धमकी देकर गलत काम कर रहा था। आरोपी के भय और धमकियों के कारण वह अब तक किसी को घटना की जानकारी नहीं दे पाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शिवा अग्रवाल ने तत्काल जांच शुरू कराई। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(2)(एम), 351(3) तथा पोक्सो एक्ट की धारा 5/6 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। इसके बाद थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को होंगी विशेष ग्राम सभाएं

रीवा । विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के प्रावधानों के तहत इन ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभाओं के लिए नोडल अधिकारी तैनात करें। इन ग्राम सभाओं में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम में नीम, पीपल, बरगद, आम जैसे पौधे रोपित कराएं। ग्राम सभा में नवकरणीय ऊर्जा, पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में प्रस्ताव रखे जाएंगे। ग्राम सभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों तथा व्हीबी जीरामजी योजना की जानकारी दी जाएगी।

आकांक्षा चतुर्वेदी की मौत पर गरमाई सियासत एनएसयूआई ने सरकार पर साधा निशाना

पीड़ित परिवार को सहायता देने की माँग,दो सप्ताह बाद भी परिवार से मिलने नहीं पहुंचे मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी

रीवा। मऊगंज जिले की नीट अभ्यर्थी आकांक्षा चतुर्वेदी के निधन का मामला अब राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। छात्र संगठन एनएसयूआई ने इस घटना को लेकर प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संगठन ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद भी शासन-प्रशासन और सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई।

एनएसयूआई रीवा के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि आकांक्षा चतुर्वेदी के निधन की घटना को लगभग दो सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक शासन-प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी अथवा सत्ता पक्ष का कोई बड़ा जनप्रतिनिधि परिवार से मिलने नहीं पहुंचा। उन्होंने इसे प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता का उदाहरण बताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार का दायित्व था कि वह पीड़ित परिवार के साथ खड़ी दिखाई देती।

पंकज उपाध्याय ने कहा कि आकांक्षा के परिवार ने उसकी पढ़ाई और भविष्य को संवारने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेकर शिक्षा की व्यवस्था की थी। परिवार ने अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन उसके निधन के बाद अब परिवार आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकटों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में सरकार और प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की सहायता या संवेदना व्यक्त नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में सत्ता पक्ष के कई प्रभावशाली जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के बावजूद न तो कोई मंत्री, न कोई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और न ही कोई जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। इससे यह संदेश जाता है कि सरकार आम लोगों की समस्याओं और पीड़ा के प्रति गंभीर नहीं है।

वैढ़न में मेगाशॉप की एंट्री, मध्य प्रदेश में खुला पहला स्टोर

वैढ़न, सिंगरौली। देश की प्रमुख वैल्यू फैशन रिटेल चेन मेगाशॉप ने वैढ़न, सिंगरौली में अपने नए स्टोर का शुभारंभ किया। यह नया स्टोर अमलोरी मोड़, नवानगर, वैढ़न, सिंगरौली, मध्य प्रदेश में है। 6,500 वर्गफुट में फैला यह स्टोर ग्राहकों के लिए आधुनिक और बेहतर शॉपिंग अनुभव लेकर आया है।

इस अवसर पर मेगाशॉप के CMD श्री हेमंत अग्रवाल ने कहा, "वैढ़न, सिंगरौली में अपना पहला स्टोर शुरू करना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। हमारा प्रयास है कि शहर के ग्राहकों को किफायती कीमतों पर बेहतर फैशन के साथ एक शानदार शॉपिंग अनुभव मिल सके।" नया स्टोर आधुनिक और आकर्षक इंटीरियर्स के साथ तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को खरीदारी के साथ एक बेहतर और यादगार शॉपिंग अनुभव मिल सके। यहां युवाओं और परिवारों के लिए फैशन की ट्रेंडी रेंज उपलब्ध है। लड़कों के लिए शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, जींस, ट्रैकसूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा और सूट जैसे विकल्प मौजूद हैं, वहीं लड़कियों और महिलाओं के लिए टॉप्स, कुर्तियां, जींस, ब्राइडल साड़ियां, ब्राइडल सूट, लेगिंग्स, पायजामे और हरम पैंट्स की आकर्षक रेंज उपलब्ध है। मेगाशॉप में ग्राहक लॉन्च ऑफर्स के साथ अपनी शॉपिंग को और खास बना सकते हैं। हर खरीदारी पर ग्राहकों को सुनिश्चित उपहार और विशेष डील्स का लाभ मिलेगा। 1,499 की खरीदारी पर ग्राहक केवल 149 में डफल बैग प्राप्त कर सकते हैं। वहीं 2,999 की खरीदारी पर मात्र 249 में 20 पीस का डिनर सेट उपलब्ध होगा। इसके अलावा 4,999 की खरीदारी पर ग्राहक ट्रॉली बैग को विशेष कीमत 599 में खरीद सकते हैं। स्थानीय ग्राहक पूजा सिंह ने कहा, "वैढ़न में इस तरह का बड़ा फैशन स्टोर खुलना हमारे लिए बहुत अच्छी बात है। अब ट्रेंडी और किफायती कपड़ों के लिए दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां परिवार के हर सदस्य के लिए अच्छे विकल्प और शानदार ऑफर्स मिल रहे हैं।" स्थानीय ग्राहक राजेश शर्मा ने कहा, "मेगाशॉप के खुलने से अब परिवार की शॉपिंग एक ही जगह आसानी से हो जाएगी। यहां अच्छे कलेक्शन के साथ किफायती दाम हैं।

राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें - कलेक्टर

कलेक्टर ने कृषकों से फार्मर आईडी बनवाने की अपील की

मऊगंज। जिले के कृषकों को सहज और पारदर्शी तरीके से शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु कलेक्टर के निर्देश पर अभियान चलाकर फार्मर आईडी' बनाने का कार्य जारी है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के शेष बचे सभी किसानों से अपील की है कि वे भी शासकीय योजनाओं का निर्बाध रूप से लाभ लेने के लिए जल्द से जल्द अपने क्षेत्र के पटवारी से संपर्क कर अपनी यूनिक फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं।

कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन से जुड़े राजस्व मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, अविवादित एवं विवादित प्रकरणों सहित विभिन्न राजस्व मामलों की तहसीलवार समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर शीघ्र निराकरण करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रत्येक आवेदन पर त्वरित कार्रवाई हो।

कलेक्टर ने भूमि अभिलेखों के संधारण, रिकॉर्ड अपडेट, राजस्व वसूली और सीमांकन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही राजस्व निरीक्षकों और पटवारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री एवं नामांतरण प्रकरणों में धीमी प्रगति पाये जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 15 दिनों में सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। जिस जमीन का आवासीय भूमि के रूप में उपयोग किया जा रहा है उसका शीघ्रता से डायवर्सन करें। उन्होंने रास्ता चिन्हांकन, ई-केवाईसी एवं आरसीएमएस से संबंधित लंबित प्रकरणों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और अभियान संबंधी कार्यों को गंभीरता से लिया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर पीके पांडेय, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी, एसडीएम हनुमना राजेश मेहता, डिप्टी कलेक्टर पवन गौरैया सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 112 आवेदकों की समस्यायें सुनकर विभागीय अधिकारियों को कारवाई के निर्देश दिए

मऊगंज। जिला स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने 112 आवेदकों की समस्यायें सुनी तथा विभागीय अधिकारियों को संबंधित आवेदनों पर समाधानकारक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं को भी सुना।

कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित जनसुनवाई में छिउरिहा ग्राम के निवासियों ने सार्वजनिक हैण्डपंप को केशव प्रसाद पाण्डेय द्वारा व्यक्तिगत उपयोग करने की शिकायत करते हुए इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए सुलभ कराने की मांग की। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देश दिये कि तत्काल हैण्डपंप को अतिक्रमण मुक्त करायें। जनसुनवाई में मोहम्मद मुस्ताक द्वारा आवास दिलाये जाने की मांग की कलेक्टर ने तहसीलदार को परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। दुवगवां कुर्मियान के उमेश गुप्ता द्वारा ईकेवाइसी की आईडी को हटाने का आवेदन दिया गया। कलेक्टर ने तहसीलदार को तत्काल प्रकरण में निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। रामरूप भारती छुहिया के सीमांकन के आवेदन पर नायब तहसीलदार सीतापुर को, कुंदनपुरवा मस्जिद के पीछे सड़क निर्माण के आवेदन पर सीएमओ नगर पंचायत मऊगंज को तथा श्यामकरण सिंह के सीमांकन के आवेदन पर नायब तहसीलदार देवतालाब को कार्यवाही किये जाने हेतु कलेक्टर ने निर्देश दिये। इसी प्रकार बिहारीलाल गुप्ता के मकान निर्माण पर रोक लगाये जाने के आवेदन पर नायब तहसीलदार सीतापुर तथा जगन्नाथ पाल हाटा के सीमांकन के आवेदन पर नायब तहसीलदार को सीमांकन कराकर प्रस्तुत करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। रामनरेश चतुर्वेदी निवासी ग्राम लोढ़ बढैया द्वारा ग्राम पंचायत में शासन की राशि के दुरूपयोग की शिकायत पर सीईओ जनपद मऊगंज को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा अकौरी ग्राम के संतोष कुमार चौरसिया द्वारा शासकीय भूमि में अन्य के नाम दर्ज होने के आवेदन पर कलेक्टर द्वारा प्रकरण नस्ती सहित प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं।